वर्ष: 15 - अंक : 06, मुंबई, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल ®

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

सीएम देवेंद्र फडणवीस को बॉम्बे हाईकोर्ट ने भेजा NOTICE

विधानसभा चुनावी जीत पर उठा सवाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अब टेंशन बढ़ गई है। हाल ही में एनसीपी और भारतीय जनता पार्टी के तीन विधायकों को हाईकोर्ट ने समन भेजा था। इस क्रम में आगे अब सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भी गाज गिरी है। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पिछले साल विधानसभा चुनाव में नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट से उनकी जीत को चुनौती देने वाली एक याचिका पर बृहस्पतिवार को नोटिस जारी किया। देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ यह चुनाव याचिका कांग्रेस के प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे ने दायर की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बिखरे टुकड़े समेट रही कांग्रेस

याज्ञवल्क्य जिचकार की घरवापसी, विस चुनाव में की थी बगावत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई । कांग्रेस से निलंबित याज्ञवल्क्य जिचकार की पुनः पार्टी में वापसी हुई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय तिलक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला व प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की उपस्थिति में उन्होंने कांग्रेस में वापसी की। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस विचारधारा के हैं और युवा वर्ग में कांग्रेस विचारधारा को विस्तार देने का कार्य कर रहे हैं। पार्टी में युवाओं को अवसर दिया जाता है और इसकी विचारधारा देश को तारने वाली है। उन्होंने पार्टी में पुनः प्रवेश के लिए आलानेताओं का आभार भी माना। जिचकार की वापसी के बाद अब कांग्रेसी खेमे में अन्य निलंबित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की वापसी के कयास भी लग रहे हैं। इस कार्यक्रम में विधानसभा में पक्षनेता विजय वडेट्टीवार, विप में पक्षनेता सतेज उर्फ बंटी पाटिल, माणिकराव ठाकरे, नाना पटोले, सांसद श्यामकुमार बर्वे, नितिन राऊत, अतुल लोंढे सहित अन्य नेता उपस्थित थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पहले गंजेपन ने बनाया शिकार, अब गिर रहे नाखून

महाराष्ट्र के बुलढाणा में दहशत का माहौल, 4 गांवों तक फैला भयावह वायरस

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव तहसील में बालों के झड़ने की समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है। जानकारी सामने आ रही है कि जिन मरीजों के बाल झड़ गए थे, अब उनके नाखून भी झड़ रहे हैं। बाल झड़ने के क्रम को गंजा वायरस के नाम से भी जाना जाने लगा है। बाल झड़ने की समस्या से पीड़ित मरीजों के नाखून कमजोर और विकृत हो जाते हैं और गिर जाते हैं। नागरिकों का आरोप है कि स्वास्थ्य एवं जिला प्रशासन ने मरीजों को बेसहारा छोड़ दिया है। नाखून गिरने की इस घटना से क्षेत्र में भय का माहौल पैदा हो गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हजारों किमी दूर ओडिशा से महाराष्ट्र पहुंचा अनोखा कछुआ

कैसे हुआ ये हैरतअंगेज कारनामा, जानकर हो जाएंगे हैरान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई । कछुआ एक ऐसी प्रजाति है, जिसे सबसे धीमे चलने वाले प्राणियों में से एक माना जाता है। हालांकि, ये बात अब गलत साबित हो सकती है। क्योंकि एक कछुआ ऐसा देखा गया है जिसनें हजारों किलीमीटर पार कर देश की दूसरी ओर पहुंचा है। कछुआ भले ही धीमी चाल का हो लेकिन वो अपनी मंजिल तक पहुंच ही जाता है। ओडिशा तट पर स्थित गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य में करीब चार साल पहले ऑलिव रिडले प्रजाति के एक कछुए को टैग किया गया था, जो बंगाल की खाड़ी के जरिए लगभग 3,600 किलोमीटर तैरकर महाराष्ट्र के एक समुद्र तट पर देखा गया। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने यह जानकार दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

1999 में 1000 कछुओं को किया गया था टैग

उन्होंने कहा, पूर्व में टैग किए गए ऑलिव रिडले समुद्री कछुए गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य से एक महीने के भीतर लगभग 1000 किलोमीटर की यात्रा करके उत्तरी श्रीलंका के समुद्र तक पहुंच गए, लेकिन उन्होंने वहां अंडे नहीं दिए। ओडिशा वन विभाग ने 1999 में कछुओं को टैग करने का चलन शुरू किया था, जिसमें लगभग 1,000 कछुओं को टैग किये गये थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आगे गली बंद है

बीते वर्ष अमेरिका ने 34 प्रतिशत और कनाडा ने 32 प्रतिशत कम भारतीय छात्रों को वीजा दिया। ब्रिटेन के मामले में यह गिरावट 26 प्रतिशत रही। अब विदेशी छात्रों को वहां अस्थायी वर्क वीजा मिलने में भी दिक्कत हो रही है।

विदेश जाकर ऊंची शिक्षा की आकांक्षा रखने वाले भारतीय छात्रों के लिए खबर चिंताजनक है। जिन विकसित देशों में जाकर पढ़ने का सबसे ज्यादा आकर्षण रहा, वहां दरवाजे बंद हो रहे हैं। यह बात वीजा संबंधी आंकड़ों के एक ताजा विश्लेषण से जाहिर हुई है। कोरोना महामारी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज हुई है। बीते वर्ष अमेरिका ने एक साल पहले की तुलना में 34 प्रतिशत और कनाडा ने 32 प्रतिशत कम भारतीय छात्रों को वीजा दिया। ब्रिटेन के मामले में यह गिरावट 26 प्रतिशत रही। कोरोना काल के बाद विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में उछाल देखा गया था। मगर अब हालात बदल रहे हैं। विकसित देशों में यह रुझान भी फैल गया है कि वे पढ़ने के लिए बाहर से आने वाले छात्रों को अब अस्थायी वर्क वीजा या तो नहीं दे रहे हैं या बहुत कम अवधि के लिए दे रहे हैं। इस वीजा के तहत पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को वहीं नौकरी ढूंढने के लिए वक्त मिलता है। वैसे भी ज्यादातर विकसित देश में अब विदेशी कर्मियों का स्वागत करने के मूड में नहीं है। वहां ये दौर विदेशी नागरिकों के प्रति दुराव बढ़ने का है। शिक्षा उन तीन देशों, और ऑस्ट्रेलिया के लिए विदेशी धन लाने का जरिया रही है। मगर इस वजह से वहां नई समस्याएं खड़ी हुईं। मसलन, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा आदि में हर साल लाखों छात्रों से आने से आवास महंगा हुआ, जिससे स्थानीय नागरिकों में नाराजगी पैदा होने लगी। इसका लाभ धुर दक्षिणपंथी राजनीतिक समूहों ने उठाया, जिन्होंने विदेशियों को लेकर तीखी भावनाएं स्थानीय आवाम में उभार दी हैं। नतीजा, दरवाजों का बंद होना है। इसके अलावा बाहरी छात्रों को अब महंगाई, मकान ढूंढने आदि से लेकर आम हिफाजत तक जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी सूरत में विदेश में पढ़ाई की स्थितियां लगातार कठिन होती जा रही हैं। फिलहाल, जिस तरह के हालात हैं, उनके बीच निकट या मध्यकालीन भविष्य में स्थितियां सुधरने की संभावना भी नहीं दिखती।

अभिभावकों ने इसी शैक्षिक सत्र से कक्षा 11 व 12 का संचालन करने की लगाई गुहार

देहरादून। रायपुर रोड़ सुंदर वाला स्थित रक्षा अनुसंधान विद्यालय के छात्रों एवं अभिभावकों ने आज स्कूल को प्रधानचार्य श्रीमती रीटा दरगन से भेंट कर स्कूल मे इसी शैक्षिक सत्र से कक्षा 11 व कक्षा 12 शुरू करने के लिए नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स के माध्यम से गुहार लगायी है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान ने बताया कि हमारे बच्चे रक्षा अनुसंधान विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं और स्कूल वालों के अथक प्रयास और आशीर्वाद से हमारे बच्चों ने इस वर्ष हाई स्कूल की परीक्षाएं दी हैं और ये हमारे लिए गर्व की बात है कि उनके छोटे भाई-बहन

भी इसी विद्यालय मे स्कूल मैनेजमेंट के सानिध्य मे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। चूंकि रक्षा अनुसंधान विद्यालय मे आर्थिक मानसिक संतुष्टि के साथ ही यह भी अनुभूति होती है की हमारे बच्चे अनुभवी, उच्चशिक्षित, मर्यादित, व बच्चों के भविष्य की चिंता करने वाले शिक्षकों व मैनेजमेंट के सानिध्य मे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। किन्तु रक्षा अनुसंधान विद्यालय अभी हाई स्कूल तक ही है तो हम अभिभावकों के समक्ष इनका रिजल्ट आने के बाद महंगी और बेलगाम फीस व महंगाई को देखते हुए इनके एडमिशन की चिंता खड़ी हो गयी है और उनके भविष्य को लेकर हम सभी अभिभावक परेशान हैं और हम यह भी जानते हैं कि रक्षा अनुसंधान विद्यालय अभिभावकों एवं छात्रों के हित एवं उनके भविष्य के लिए सदैव अग्रसर रहा है तो हम सभी अभिभावक नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के माध्यम से स्कूल मैनेजमेंट से विनम्र अनुरोध करते हैं कि कृपया विद्यालय मे इसी सत्र से कक्षा 11 व 12 का संचालन शुरू किया जाए ताकि हम सभी अभिभावक अपने बच्चों के एडमिशन और उनकी शिक्षा की चिंता से मुक्त हो सकें।

संविधान बचाव लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ अभियान के संयोजक नफीसुल हक रिंकू ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून के खिलाफ याचिका दायर की

मधुबनी। संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ अभियान दरभंगा बिहार के संयोजक सह वार्ड पार्षद नफीसुल हक रिंकू वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। देश की धरोहर को बचाने की लड़ाई शुरू हो चुकी है केंद्र सरकार द्वारा मुसलमान के वक्फ की जमीन के लिए जो वक्फ काला कानून बनाया जिससे मुसलमान के अंदर काफी रोष है जिसको लेकर पूरे भारत में विरोध जारी है संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ अभियान के सौजन्य से दरभंगा में भी एक बहुत बड़ा विशाल जुलूस निकल गया और जिला अधिकारी को मेमोरेंडम देकर मांग की गई कि इस काले कानून को केंद्र सरकार जल्द से जल्द वापस ले यह लड़ाई सिर्फ जुलूस तक ही नहीं

था बल्कि इस अभियान के कन्वेयर वार्ड पार्षद नफीसुल हक रिंकू ने सुप्रीम कोर्ट में दरभंगा की ओर से केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ बिल के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई। यह याचिका सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारी ऐतिहासिक, धार्मिक और सामाजिक धरोहर की रक्षा के लिए एक संघर्ष की शुरूआत हैयह जानकारी इस मुहिम के एक खास मेंबर रियाज खान कादरी ने प्रेस मीडिया को दिया। याचिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे नफीसुल हक रिंकू ने कहा यह बिल आने वाले समय में उन संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने का मार्ग प्रशस्त करता है, जिन्हें लोगों ने समाज सेवा और जनहित के लिए दान किया था। यह सरकार पहले ही कई सार्वजनिक संपत्तियों को निजी कंपनियों को बेच चुकी है, और अब उनकी नजर वक्फ संपत्तियों पर है। यह स्पष्ट रूप से सामाजिक न्याय और सार्वजनिक हित के खिलाफ है। हम इस बिल का पुरजोर विरोध करते हैं और देश के सभी इंसाफ पसंद नागरिकों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और बुद्धिजीवियों से अपील करते हैं कि इस संघर्ष में हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। यह आंदोलन सड़क से लेकर संसद और न्यायालय तक लड़ा जाएगा। यह सिर्फ दरभंगा या बिहार की बात नहीं है - यह पूरे भारत की संस्कृति, समाज और जनहित की लड़ाई है।

हम सबको एकजुट होकर सरकार की इस नीति का विरोध करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि दान में दी गई संपत्तियाँ उन्हीं उद्देश्यों के लिए सुरक्षित रहें, जिनके लिए उन्हें समर्पित किया गया था।

मां बाप की अहमियत

अपने मां-बाप का हर घड़ी हर पल ख्याल रखें उनकी खिदमत से जरा भी लापरवाही नहीं बरते। उन्होंने बचपन से लेकर जवानी तक हमें पाला पोसा पढ़ाया लिखाया अपना कीमती वक्त लगाया हमारी परवरिश में अपनी अनमोल जिंदगी लगाई दिल की गहराइयों से हमेशा उनकी खिदमतों का एहसास करें और उनके लिए हमेशा अल्लाह से दुआ करते रहे। जिंदगी क्या भरोसा कब कौन जुदा हो जाएगा फिर अफसोस के अलावा कुछ नहीं बचेगा अल्लाह सभी की औलादों को समझने की तौफीक अता फरमा आमीन। और सभी भाइयों बहनों से गुजारिश है कि सभी दुआ फरमाए की अल्लाह मेरी अम्मी हजडन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और अब्बू जनाब बाबू खान साहब की बख्शीश व मगफिरत फरमाकर उनकी कब्रों को अपने नूर से रोशन फरमाकर जन्नत का बाग बनाएं और आलमे बरजख के इल्लीन को रोशन फरमाकर उसमें उन्हें आला मुकाम अता फरमाए और बदले के दिन उन्हें जन्नतुल फिरदौस अता फरमाए और सभी के वालदैन की बख्शीस फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन। आप सभी की दुआओं का तलबगार आपका भाई

-साजिद खान डायरेक्टर हज्जन जुबेदा बी मीडिया ग्रुप

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अकोला के MBBS 2019 बैच की ग्रेजुएशन सेरेमनी में डॉ. मदीहा नदीम को मिली MBBS की डिग्री

परिवार और शिक्षकों को दिया सफलता का श्रेय

अकोला। 15 अप्रैल 2025 को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अकोला के MBBS 2019 बैच की भव्य 'Graduation Ceremony' का आयोजन होटल ग्रैंड जलसा, रिधोरा अकोला में सुबह 9 बजे से किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में बालापुर की होनहार बेटी, डॉ. मदीहा नदीम को MBBS की डिग्री से सम्मानित किया गया। डॉ. मदीहा को यह डिग्री महाराष्ट्र शासन के पूर्व गृह मंत्री माननीय डॉ. रंजीत पाटिल, GMC अकोला की डीन माननीय डॉ. मीनाक्षी गजभिए, एवं विशिष्ट अतिथियों डॉ. गणेश राठोड़, डॉ. श्याम कुमार सिरसाम, डॉ. राजेश चिंचोलकर व डॉ. नीलिमा सुरसायरे के कर-कमलों से प्रदान की गई। डॉ. मदीहा नदीम, बालापुर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. खालिद नदीम और डॉ. असमा कौसर की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय सबसे पहले अपने दिवंगत दादा मरहूम

अब्दुल मुत्तालिब साहेब (रिटायर्ड लेक्चरर, डी. एड कॉलेज बालापुर) को दिया। इसके अलावा उन्होंने अपने माता-पिता, बड़े पापा जनाब नवीद अंजुम (गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर, बालापुर), छोटे पापा जनाब जावेद इकबाल (सहायक शिक्षक, जिल्हा परिषद अकोला), मामू जनाब अय्यूब खान व अंसार खान (कैंप, अमरावती), GMC अकोला की डीन व सभी लेक्चरर्स, NEET की तैयारी में सहयोग देने वाले AAKASH Institute Akola, और अपने स्कूल-कॉलेज Suffah English High School & Jr. College Akola के समस्त शिक्षकों को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने Brilliant Coaching Classes Akola के डायरेक्टर जनाब मुमताज़ खान सर व अपने छोटे भाई सामेह नदीम (Second Year, B.Tech Civil, NIT नागपूर) का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। डॉ. मदीहा नदीम की यह सफलता सिर्फ उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे बालापुर और अकोला क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि आने वाले सभी मेडिकल छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

कानपुर में तड़पती मां, 24 घंटे बाद भी नहीं मिला नहर में डूबा मासूम, तलाश जारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। मौत किसी ना किसी बहाने से संबंधित व्यक्ति को अपने साथ ले ही जाती है। वह चाहे कोई बुजुर्ग हो, जवान हो या फिर बच्चा। साथ मौत के रूप में किसी से भी बिछुड़ने का गम भी जीवन भर के लिए असह्य पीड़ा के साथ खून के आंसू रुलाने से नहीं चूकता। खास कर मां बेटे के संबंधों में बिछुड़ने की पीड़ा किसी मां के लिए और भी ज्यादा दुखदाई होती है। कुछ इसी तरह की असह्य पीड़ा का शिकार गोविंद नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली रेनू भी है, जिसकी वजह है। उसके 2 साल के बेटे साहिल का नहर में डूब

जाना, जिसकी लाश बहुत प्रयास के बाद अब तक बरामद नहीं की जा सकी है। दादानगर फैक्टरी एरिया में रहने वाले पिता नीलकमल के मुताबिक उनका दो साल का मासूम साहिल बाबा सुरेश के पीछे-पीछे घर आ रहा था। मुरारी गैस प्लांट के पास खारजा नहर पार करने के दौरान साहिल तेज बहाव में बह गया। सूचना देने पर मौके पर पुलिस और गोताखोर पहुंचे थे, लेकिन देर रात के चलते पानी में नहीं उतरे। सुबह गोताखोरों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। पिता ने बताया कि पानी का भाव बहुत तेज था, जिसके कारण बच्चा डूब गया और अभी तक नहीं मिला है। बच्चे को बचाने के लिए पत्नी भी नहर में उतर गई थी। लोगों ने कूदकर बचा लिया था, वरना वह भी डूब जाती। आज पानी ढाई फीट कम कर दिया गया है। सुबह देर से पहुंचे गोताखोरों ने तलाश शुरू की है। लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका शव बराबर नहीं किया जा सका। इस घटना से मां और अन्य परिजनों का रो रो कर बहुत बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि बच्चों की तलाश लगातार की जा रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सीएम देवेंद्र फडणवीस को बॉम्बे हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे 39,710 मतों के अंतर से फडणवीस से हार गए थे। याचिका में गुडाधे ने प्रक्रियागत खामियों और भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया है और मांग की है कि उच्च न्यायालय फडणवीस की जीत को अमान्य घोषित करे। प्रफुल्ल गुडाधे के वकील पवन दाहाट ने बताया, न्यायमूर्ति प्रवीण पाटिल की पीठ ने मुख्यमंत्री फडणवीस को नोटिस जारी किया है, जिस पर उन्हें आठ मई को जवाब देना है। गुडाधे के वकील दाहाट और एबी मून ने दावा किया कि पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों के दौरान कई अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया था। महायुति ने विधानसभा चुनावों में 288-सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में 230 सीट जीतीं हैं, जिसके बाद फडणवीस मुख्यमंत्री बने। इस बीच, उच्च न्यायालय ने नागपुर पश्चिम से भाजपा विधायक मोहन मते और चंद्रपुर जिले की चिमूर सीट से कीर्तिकुमार भांगडिया को भी इसी तरह की चुनाव याचिकाओं पर नोटिस जारी किए हैं। आपको बताते चले कि इससे पहले एनसीपी और भाजपा के तीन विधायक को समन भेजा गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के दौरान हुई गड़बडी को उजागर करते हुए जहां सिंदखेडराजा विधानसभा क्षेत्र से एनसीपी (एसपी) से चुनाव लड़े राजेन्द्र शिंगने द्वारा चुनाव याचिका दायर की गई, वहीं राजुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी सुभाष धोटे और बल्लारपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी संतोषसिंह रावत द्वारा याचिका दायर की गई।

बिखरे टुकड़े समेट रही कांग्रेस

बताते चलें कि विधानसभा चुनाव में पार्टी से उन्होंने उम्मीदवारी की मांग की थी। वे काटोल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक थे लेकिन महाविकास आघाड़ी में यह सीट राकां शरद पवार पार्टी के हिस्से गई थी। पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के बेटे सलिल देशमुख को उम्मीदवारी मिली थी। बावजूद इसके याज्ञवल्क्य ने अपना नामांकन दाखिल किया व चुनावी मैदान में उतर गए थे। पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। इसी तरह रामटेक विस सीट से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले जिलाध्यक्ष राजेन्द्र मूलक को भी पार्टी ने निलंबित कर दिया है। बावजूद इसके कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के साथ वे पार्टी के आयोजनों में नजर आते रहे हैं। जिचकार की वापसी के बाद मूलक सहित के सभी ऐसे पदाधिकारियों की वापसी के कयास लग रहे हैं जिन्हें निलंबित कर दिया गया था।

पहले गंजेपन ने बनाया शिकार, अब गिर रहे नाखून

पिछले दिसंबर से बुलढाणा जिले के शेगांव, नांदुरा और खामगांव तालुका के कई गांवों के नागरिक अचानक बाल झड़ने की समस्या से पीड़ित हैं। अब चौंकाने वाली सच्चाई यह सामने आई है कि बाल झड़ने वाले मरीजों के नाखून अचानक विकृत और कमजोर हो रहे हैं और कई लोगों के नाखून गिर गए हैं। इस स्थिति के कारण इस क्षेत्र के नागरिक अब भयभीत हैं। नागरिकों का परीक्षण पिछले दिसंबर से ही किया जा रहा है। आईसीएमआर की टीम आ गई। कई बार रक्त के नमूने लिए गए हैं। हालांकि, नागरिक स्वास्थ्य एवं जिला प्रशासन पर मरीजों को बेसहारा छोड़ने का आरोप लगा रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें इलाज के नाम पर कुछ भी नहीं दिया गया। चूंकि, आईसीएमआर की रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं हुई है, तो सरकार आखिर क्या छिपाने की कोशिश कर रही है इसका खुलासा नहीं हो पा रहा है।

हजारों किमी दूर ओडिशा से महाराष्ट्र पहुंचा अनोखा कछुआ

वैज्ञानिक ने बताया कि 18 मार्च 2021 को टैग किया गया यह कछुआ महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में एक समुद्र तट पर पाया गया था, जहां यह अंडे देने के लिए पहुंचा था। जेडएसआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक बासुदेव त्रिपाठी ने कहा कि यह पहला मामला है जिसमें वह कछुआ अंडे देने के लिए इतनी दूर गया जिसने पहले ओडिशा के तट पर अंडे दिए थे। त्रिपाठी ने कहा कि सामान्यतः, प्रवास व्यवहार का अध्ययन करने के लिए ओडिशा में जिन कछुओं को टैग किया जाता है वे इतनी लंबी दूरी तय नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, इससे पहले, श्रीलंका के उत्तरी तट से मछुआरों ने कुछ टैग किए गए कछुओं को बचाया था। हालांकि, पूर्वी राज्य में टैग किए गए कछुओं के श्रीलंका में अंडे देने का कोई इतिहास नहीं है। प्रवासन चलन के बारे में त्रिपाठी ने कहा कि समुद्री कछुए आमतौर पर भोजन की तलाश और अंडे देने के स्थानों के बीच प्रवास करते हैं। उन्होंने कहा, नर और मादा कछुए प्रजनन क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं, तथा आमतौर पर उन समुद्र तटों पर लौट आते हैं जहां उनका जन्म हुआ था।

कानपुर में प्रेमिका से शादी का विरोध कर रही मां की चाकू मारकर हत्या : गिरफ्तार

कानपुर। प्रेमिका से शादी का विरोध कर रही मां की हत्या उसके ही बेटे ने चाकू मारकर कर दी। मां बेटे के पवित्र संबंधों को दागदार करने वाली यह घटना हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में हुई। घटना के बाद हत्यारे बेटे ने खुद ही फोन करके पुलिस को बुलाया और उसे अपने हवाले कर दिया। घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक फतेहपुर की रिफ्यूजी कॉलोनी निवासी प्रमिला सिंह (55) बेटे राजा सिंह (28) के साथ रहती थीं। प्रमिला के पति धर्मेंद्र सिंह की 5 साल पहले मौत हो गई थी। वह करीब 10 दिन पहले सिकाई करने के दौरान गर्म पानी से जल गई थीं। प्रमिला हनुमंत विहार स्थित नारायणपुर में बेटी प्रीतू सिंह के घर 30 मार्च से रह रही थीं। मृतका की बड़ी बेटी प्रीतू ने बताया कि आज सुबह भाई ने मम्मी को फोन किया। बोला- अब तबीयत सही हो गई है, घर आ जाओ। मम्मी बोलीं थीं कि नहीं अभी नहीं आएंगे। डॉक्टर को दिखाना है। इस पर भाई गालियां देने लगा। तो मम्मी ने फोन काट दिया। इसके बाद वह खुद ही घर आ धमका और अपनी मां से प्रेमिका से शादी करने की बात करने लगा जिस पर मां ने कहा कि जिससे शादी करनी है। कर लो। हम घर नहीं आएंगे। दोनों लोग रहो अकेले। फिर भाई बोला- नहीं आओगी घर। प्रीतू ने ही तुम्हें सिखाया-पढ़ाया है। इसको नहीं छोड़ेंगे हम। भाई चाकू निकालकर मेरी तरफ बढ़ा तो मम्मी बीच में आ गई।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले

'आईएमईसी' के जरिए विश्व से संपर्क स्थापित करने का विश्वसनीय सेतु बनेगा 'भारत', यह तालमेल बढ़ाने के साथ समृद्धि को भी देगा बढ़ावा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के माध्यम से देश वैश्विक संपर्क का एक विश्वसनीय सेतु बनने के लिए तैयार है। आईएमईसी पर आयोजित एक समारोह के दौरान उन्होंने कहा कि 'आईएमईसी' भारत और मध्य पूर्व और पूर्वी यूरोप के नेतृत्व और साझेदारी का एक सशक्त समर्थक है। यह एक बहुत ही प्रगतिशील और दूरदर्शी अवधारणा है, जिसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'आईएमईसी' केवल एक व्यापार मार्ग नहीं है, बल्कि एक मॉडर्न-डे सिल्क रूट है, जो साझेदारी में बराबरी, संपर्क और तालमेल बढ़ाने के साथ ही समृद्धि को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि इससे लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी, परिवहन समय में 40 प्रतिशत की कमी आएगी और महाद्वीपों के बीच बिना किसी बाधा के व्यापारिक संबंध बनेंगे।

लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी | माल पहुंचाने के समय में 40 प्रतिशत की कमी आएगी

यूरोप की सभ्यताएं और संस्कृतियां भी गुड़ेंगी

मंत्री गोयल ने कहा कि हम न केवल व्यापारिक संबंध जोड़ेंगे; बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया से खाड़ी तक, मध्य पूर्व से मध्य यूरोप की सभ्यताओं और संस्कृतियों को भी जोड़ेंगे। आईएमईसी मध्य पूर्व के माध्यम से अफ्रीका तक कनेक्टिविटी भी बढ़ा सकता है। इस गलियारे में रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा पाइपलाइन और समुद्र के नीचे केबल सहित ग्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होगा। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही ग्लीन एनर्जी ट्रांसमिशन पर सिंगापुर के साथ चर्चा कर रहा है। हम सऊदी अरब और यूएई के साथ भी बातचीत कर रहे हैं।

यह पहल आपसी विश्वास पर आधारित

केंद्रीय मंत्री गोयल ने स्थिरता और डिजिटल कनेक्टिविटी की अहमियत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह पहल संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करती है। यह प्रमुत्व या आर्थिक संघ बनाने को लेकर न होकर आपसी विश्वास, समावेशिता और स्थिरता पर आधारित साझेदारी है। उन्होंने आईएमईसी पहल के लिए आगे के रास्ते के रूप में पांच प्रमुख सुझावों के बारे में बताया। पहला, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), दूसरा विनियामक कनेक्टिविटी पर ध्यान, तीसरा इनोवेटिव फाइनेंसिंग मॉडल की जरूरत पर जोर दिया। चौथा, निकाय और संघ आपस में जुड़े, पांचवा विजनिंग और डिजाइन प्रक्रिया में थिंक टैंक और शिक्षाविदों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा।

तीन साल में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान से बड़ी हो जाएगी: सुब्रह्मण्यम

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने गुरुवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी व जापान से बड़ी हो जाएगी। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों को अलग रखते हुए हमारे देश का सबसे बड़ा लाभ इसका लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले साल के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। उसके बाद के वर्ष में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे।

2047 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे

उन्होंने कहा कि हम तीन साल में जर्मनी और जापान से भी बड़े हो जाएंगे। 2047 तक हम दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) हो सकते हैं। सुब्रह्मण्यम ने कानूनी फर्मों और लेखा फर्मों सहित भारतीय कंपनियों से विश्व में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि मध्यम आय वाले देशों की समस्याएं निम्न आय वाले देशों की समस्याओं से बहुत भिन्न हैं। आईएमएफ के नवीन आंकड़ों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान में 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।

गुजरात में भीषण हादसा

बस और ऑटोरिक्शा की टक्कर में छह की गई जान

पाटन। गुजरात के पाटन जिले में बृहस्पतिवार को एक ऑटोरिक्शा और राज्य परिवहन निगम की बस के बीच टक्कर में ऑटोरिक्शा सवार छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना अपराह्न करीब साढ़े ग्यारह बजे सामी-राधनपुर राजमार्ग पर सामी गांव के पास हुई। पाटन जिले के पुलिस अधीक्षक वी के नई ने बताया कि राज्य परिवहन की बस हिम्मतनगर से कच्छ की ओर जा रही थी जबकि तिपहिया वाहन विपरीत दिशा से आ रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया, ऑटोरिक्शा सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिसमें चालक भी शामिल है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के क्षतिग्रस्त हिस्से बस के नीचे फंस गए।

यह जानकारी रक्षा मंत्री ने राजधानी में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी

विकसित राष्ट्र के साथ दुनिया की नंबर एक सैन्य शक्ति बनकर उभरेगा भारत: राजनाथ

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की घरेलू सीमाओं पर मौजूद सुरक्षा खतरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत जल्द ही एक विकसित राष्ट्र के साथ ही विश्व की नंबर एक सैन्य शक्ति बनकर उभरेगा। साथ ही कहा कि हमारा रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ रहा है और वह अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी मजबूत बनाने के लिए तैयार है। राजधानी में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने यह जानकारी दी। आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार भारत के प्रेरणादायक नजरिए को सामने रखते हुए उन्होंने कहा कि भारत न केवल अपनी सरहदों की रक्षा कर रहा है। बल्कि वैश्विक रक्षा इकोसिस्टम में एक प्रमुख भूमिका निभाने वाले देश के रूप में भी खुद को स्थापित कर रहा है। सम्मेलन में सशस्त्र सेनाओं के पूर्व प्रमुख, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर.वी. कामत और पूर्व रक्षा सचिव संजय मित्रा सहित रक्षा मंत्रालय के कई अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मजबूती के साथ आएगी शांति

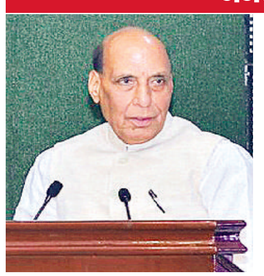

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता का उद्देश्य संघर्ष को बढ़ावा देना नहीं है। हमारी रक्षा क्षमताएं शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय निवारक शक्ति की तरह हैं। शांति तभी संभव है जब हम सशक्त बने रहें। भविष्य में संघर्ष और युद्ध अधिक हिंसक और अप्रत्याशित होंगे। साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से नए युद्धक्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। साथ ही विश्व में एक कथानक और धारणा का युद्ध भी लड़ा जा रहा है। ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए हम समग्र क्षमता निर्माण और निरंतर सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने आयुध निर्माणियों के 200 साल से अधिक पुराने ढांचे के निगमीकरण को इस सदी का एक बहुत बड़ा सुधार बताया। उन्होंने कहा, रक्षा बजट का 75 फीसदी हिस्सा घरेलू कंपनियों से खरीद के लिए रखा गया है। इस साल रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचने की संभावना है। हमारा लक्ष्य 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण बनाने का है। इसी दौरान रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

आयात की सोच को बदलना जरूरी

रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की सबसे पहली और बड़ी चुनौती उस मानसिकता को बदलना है, जिसमें यह कहा जाता है कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल आयात करेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम आयात पर निर्भरता घटाएंगे और एक रक्षा औद्योगिक परिसर बनाएंगे। जो कि न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा। बल्कि रक्षा निर्यात की संभावनाओं को भी मजबूती प्रदान करेगा।

एयरो इंजन का निर्माण बना चुनौती

उन्होंने कहा, हमारा देश अब मिसाइल प्रौद्योगिकी, परमाणु पनडुब्बी, विमानवाहक युद्धपोत, एआई, ड्रोन, साइबर डिफेंस और हाइपरसोनिक प्रणाली जैसे क्षेत्रों में विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। लेकिन एयरो इंजन का विनिर्माण आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। इन सबके बीच हालांकि कावेरी इंजन परियोजना के तहत जरूरी प्रगति और घरेलू क्षमताओं के निर्माण के लिए सेफ्रॉन, जीई और रॉल्स रॉयस जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ चर्चाएं जारी हैं। नौसेना और तटरक्षकबल के 97 फीसदी से अधिक युद्धपोत अब भारतीय शिपयार्ड में बनाए जा रहे हैं। इन्हें मॉरीशस, श्रीलंका, वियतनाम और मालदीव जैसे देशों को निर्यात किया जा रहा है।

तेहरान ने आखिरकार कर दी पुष्टि

ईरान और यूएस की दूसरे दौर की रोम में होगी परमाणु वार्ता

अब्बास अराघची

राफेल ग्रॉसी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ईरान ने बुधवार को पुष्टि की कि इस साप्ताहांत पर अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता रोम में होगी। इससे पहले वार्ता के स्थान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। ईरान ने पहले कहा था कि वार्ता ओमान में होगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। वार्ता में ओमान मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। ओमान के विदेश मंत्री ने पिछले सप्ताहांत राजधानी मस्कट में हुई वार्ता में दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अपने उपराष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ का इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

यूरेनियम संवर्धन ईरान का अधिकार

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी भी बुधवार को तेहरान पहुंचे। उनके दौरे का मकसद प्रस्तावित समझौते के तहत निरीक्षकों को कितनी पहुंच मिलेगी, इस पर चर्चा करना है। ईरान ने 2018 में अमेरिका के समझौते से बाहर निकलने के बाद आईएईए के निरक्षकों की पहुंच सीमित कर दी थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह वार्ता में विरोधाभासी रुख अपनाने से बचे। उन्होंने कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अधिकार है और इसे वार्ता का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। ईरान इस मुद्दे पर अरोसे को बनाने के लिए तैयार है, लेकिन यूरेनियम संवर्धन का अधिकार अपरिवर्तित रहेगा। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हवाई हमले किए जा सकते हैं।

बुरे फंसे तमिलनाडु के वन मंत्री

मंत्री के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

तमिलनाडु के वन मंत्री के. पोनमुडी की मुश्किलें लगातार बढ़ती ही जा रही है। विवादास्पद टिप्पणी मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने कहा कि यदि पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है, तो कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि अब न्यायालय ने खुद मामले को संज्ञान में लिया है।

वायरल वीडियो में आपत्तिजनक टिप्पणी

वायरल हो रहे वीडियो में पोनमुडी को यह कहते हुए सुना गया है कि महिलाएं, कृपया गलतफहमी न पालें। वह कहते हैं, एक व्यक्ति सेक्स वर्कर के पास जाता है। फिर वह उस व्यक्ति से पूछती है कि वह शैव है या वैष्णव। जब आदमी को समझ में नहीं आता, तो सेक्स वर्कर पूछती है कि क्या वह पट्टई (क्षैतिज तिलक, जो शैव धर्म से जुड़ा है) या नामम (लंबवत तिलक, जो वैष्णव धर्म से जुड़ा है) लगाता है।

बढ़ते विरोध के बीच स्टालिन ने भी उठाया कदम

पोनमुडी की टिप्पणी से उनकी अपनी पार्टी डीएमके भी असहज हो गई। पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने उन्हें डीएमके उप महासचिव के पद से हटा दिया। पार्टी सांसद कनिमोझी ने भी उनके बयान की आलोचना की थी। हालांकि की बाद में पोनमुडी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी, लेकिन विवाद थम नहीं सका।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महत्वपूर्ण सुधार लाने मंत्रालय का निरंतर प्रयास

अब हर महीने की 28 तारीख को जारी होगा आईआईपी आंकड़ा, समयसीमा घटकर 28 दिन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अब हर महीने की 28 तारीख को औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का आंकड़ा जारी करेगा। इसके साथ, इस आंकड़े को जारी करने की समयसीमा 42 दिन से घटाकर 28 दिन कर दी गयी है। फिलहाल मंत्रालय हर महीने की 12 तारीख को छह सप्ताह के भीतर आईआईपी आंकड़े जारी करता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्रालय अपने सांख्यिकीय उत्पादों के प्रसार में वैश्विक स्तर की बेहतर गतिविधियों और समयसीमा के साथ महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट अब 90 दिन के भीतर जारी होगी

बयान के अनुसार, मंत्रालय संदर्भ माह की समाप्ति के 42 दिनों के भीतर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी करता है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ गतिविधियों में से एक है। इसी तरह, एनएसएस की सर्वेक्षण रिपोर्ट अब फील्डवर्क पूरा होने के 90 दिन के भीतर जारी की जाती है। इसी प्रकार, आईएमएफ के विशेष आंकड़ा प्रसार मानकों (एसडीडीएस) के अनुसार किसी भी संदर्भ माह के लिए सूचकांक उस माह के अंत से छह सप्ताह के भीतर जारी किया जाना चाहिए

औद्योगिक वृद्धि जानने का बेहतर तरीका

आईआईपी देश में औद्योगिक वृद्धि के बारे में जानकारी देने वाला महत्वपूर्ण आंकड़ा है। मंत्रालय अब 42 दिनों के बजाय 28 दिनों के भीतर औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) जारी करने की योजना बना रहा है। मंत्रालय वर्तमान में संदर्भ माह से 42 दिनों के भीतर प्रत्येक माह की 12 तारीख (यदि 12 तारीख अवकाश हो तो पिछला कार्य दिवस) को मासिक अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) जारी करता है।

जून 2024 में समिति गठित की गई

हाल के दिनों में, आंकड़ा संग्रह और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति को देखते हुए, विभिन्न पक्ष आईआईपी जारी करने की समयसीमा को कम करने की मांग कर रहे थे। इस आवश्यकता को समझते हुए, मंत्रालय ने जून, 2024 में एक समिति का गठन किया। समिति को गुणवत्ता से समझौता किए बिना आईआईपी जारी करने की समयसीमा, इसके संशोधन कार्यक्रम को कम करने की व्यावहारिकता की जांच करने की जिम्मेदारी दी गयी।

क्रमिक रूप से किया गया संशोधन

भारत में आईआईपी का संकलन और उसे जारी करना का काम आधार वर्ष 1937 से शुरू हुआ। इसे क्रमिक रूप से संशोधित कर 1946, 1951, 1956, 1960, 1970, 1980-81, 1993-94, 2004-05 और 2011-12 कर दिया गया। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआरआईआईपी)-2010 के लिए संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय सिफारिशों में यह प्रावधान है कि मासिक आईआईपी को संदर्भ माह की समाप्ति के 45 दिन के भीतर जारी किया जाना चाहिए।

आईआईपी के बाद अंतिम अनुमान होगा जारी : *बयान में कहा गया, "अप्रैल, 2025 से अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) संदर्भ माह से 28 दिन के भीतर हर महीने की 28 तारीख को शाम चार बजे जारी किया जाएगा। किसी विशेष महीने के लिए आईआईपी त्वरित अनुमान के रूप में जारी किया जाएगा, उसके बाद अंतिम अनुमान जारी किया जाएगा।"*

समय सीमा 42 दिन से घटाया गया

एजेंसियों के साथ उचित परामर्श के बाद और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, आईआईपी जारी करने की समयसीमा को संदर्भ माह से 42 दिन से घटाकर 28 दिन करने और आईआईपी के दूसरे संशोधन की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके अनुसार, अब से सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय प्रत्येक माह की 28 तारीख को शाम चार बजे बजे (यदि 28 तारीख को अवकाश है तो अगले कार्य दिवस पर) मासिक अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) जारी करेगा।

डॉन गया, अब बीवी की बारी! अफसा अंसारी पर 50 हजार रुपये का इनाम, कोर्ट से वारंट भी जारी

मऊ। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के निधन के बाद भी उनके परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब कानूनी कार्रवाई का चक्र उनकी पत्नी अफसा अंसारी पर तेजी से घूम रहा है। बीते 24 घंटे में दो बड़े झटके अफसा अंसारी को लगे हैं। एक ओर गाजीपुर पुलिस ने उन पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी है, तो दूसरी ओर मऊ जिले की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। मऊ की जिला अदालत ने थाना दक्षिण टोला में दर्ज केस संख्या 129/2020 के मामले में यह सख्त कार्रवाई की है। इस केस में अफसा अंसारी पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं, लेकिन वह अब तक न तो अदालत में पेश हुईं और न ही अपना बयान दर्ज कराया। अदालत ने उनकी लगातार गैरहाजिरी को गंभीरता से लेते हुए सीआरपीसी की धारा 299 के तहत उन्हें फरार अभियुक्त घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अफसा अंसारी का नाम मकरूल रजिस्टर में होगा दर्ज

अब अफसा अंसारी का नाम मकरूल रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। यह रजिस्टर उन आरोपियों की सूची होती है जो लंबे समय से फरार हैं और अदालत में बार-बार बुलाने पर भी हाजिर नहीं होते। यानी अब अफसा को कानून की नजर में भगोड़ा घोषित करने की दिशा में कार्रवाई तेज हो चुकी है।

गिरफ्तारी का स्थायी वारंट और बढ़ा इनाम

अदालत ने साफ निर्देश दिया है कि अफसा अंसारी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। इसी के तहत उनके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया गया है। इससे पहले उन पर धारा 82 और 83 के तहत कुर्की की कार्रवाई भी की जा चुकी है, लेकिन अब यह मामला और गंभीर हो गया है। गाजीपुर पुलिस ने भी सख्ती दिखाते हुए इनाम की राशि बढ़ा दी है, जो पहले से घोषित थी लेकिन अब 50,000 रुपये कर दी गई है।

प्रशासन पूरी तरह सतर्क

क्षेत्राधिकारी नगर अंजनी कुमार पांडे ने बताया कि कोर्ट के निर्देशों के अनुसार पूरी कानूनी प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु राधेश्याम के आमंत्रण पर पहुंचे लोकप्रिय गायक रूप कुमार राठौर और सोनाली राठौर

मुंबई। वर्ली-नेहरू युवा केंद्र, खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सत्य की नगर रहिवासी संघ द्वारा महामानव डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी की 134वीं जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस भव्य कार्यक्रम की शुरूआत द ह्यूमन योग फाउंडेशन वर्ली मुंबई के माध्यम से की गई, जिसके आयोजक थे अंतर्राष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट योग गुरु ग्रैंड मास्टर राधेश्याम जी। हर वर्ष की तरह इस बार भी योग गुरु राधेश्याम जी ने इस आयोजन को एक यादगार अवसर बनाया। इस बार उन्होंने विशेष रूप से आमंत्रित किया भारत के लोकप्रिय गायक श्री रूप कुमार राठौर और उनकी सुप्रसिद्ध गायिका पत्नी श्रीमती सोनाली राठौर को, जिन्होंने हिंदी फिल्मों में कई मशहूर गजलें गाई हैं। जैसे ही रूप कुमार राठौर जी की एंट्री हुई, पूरा सत्यकी नगर तालियों और पटाखों की गूंज से गूंज उठा। मंच पर उपस्थित थे नगरसेवक श्री संतोष खरात जी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री चंदन सीवे जी (नाम जोशी मार्ग), और अन्य गणमान्य व्यक्ति। योग गुरु राधेश्याम जी के फिट इंडिया वॉलंटियर्स ने जय भीम के नारे लगाते हुए सभी मुख्य अतिथियों को स्टेज तक पहुंचाया। कार्यक्रम का सबसे खास पल तब आया जब रूप कुमार राठौर जी ने अपनी मधुर आवाज में फिल्म बॉर्डर का प्रसिद्ध गीत संदेशे आते हैं प्रस्तुत किया। गीत की शुरूआत होते ही सत्यकी नगर के हर कोने से लोग अपने घरों से बाहर निकल आए, और पूरा माहौल देशभक्ति और उत्साह से भर गया। गीत समाप्त होने के बाद लोगों ने जोरदार तालियों और वन मोर के नारों से राठौर दंपति का अभिनंदन किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री चंदन सीवे जी ने भावुक होते हुए कहा, जब मैं ट्रेनिंग में था, तब रूप कुमार राठौर जी के गीत सुनकर बड़ा हुआ हूं। आज उन्हें सामने गाते हुए देखना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं इसके लिए योग गुरु राधेश्याम जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। माननीय नगरसेवक श्री संतोष खरात जी ने भी अपने संबोधन में कहा, इतनी बड़ी जयंती, इतने महान गायकों के साथ मनाना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस भव्य आयोजन में समाज के कई अन्य गणमान्य पदाधिकारी और नेता भी उपस्थित रहे। सभी ने अपने वक्तव्यों में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों को साझा किया और योग गुरु राधेश्याम जी की सराहना करते हुए कहा कि सत्यकी नगर में इस तरह के ऐतिहासिक आयोजन उनके ही कारण संभव हो पाए हैं। कार्यक्रम की सफलता और लोकप्रियता का श्रेय जहां योग गुरु राधेश्याम जी को दिया गया, वहीं लोगों ने इस अनूठे अनुभव के लिए रूप कुमार राठौर और सोनाली राठौर जी का भी धन्यवाद किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

6 फिल्में फ्लॉप होने के बाद मैं डर गई थी

हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उनकी 6 फिल्में फ्लॉप हुई थीं, तब वो बुरी तरह डर गई थीं। उन्होंने कहा कि मैं कोई स्टार किड नहीं हूं। मुझे इंडस्ट्री में सपोर्ट करने के लिए फैमिली की बैकिंग नहीं थी। हाल ही में डैक्स शेफर्ड को दिए इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा था कि उन्हें बॉलीवुड में कॉर्नर किया जा रहा था। उन्हें पॉलिटिक्स की वजह से मजबूर होकर बॉलीवुड छोड़कर जाना पड़ा। इसी इंटरव्यू में प्रियंका ने बताया कि 2008 में जब उनकी 6 फिल्में लगातार फ्लॉप हुई थीं तो वो और उनकी मां काफी डर गए थे। प्रियंका ने कहा कि उन्हें अच्छी तरह से इस बात का अंदाजा था कि क्योंकि वो कोई स्टार किड नहीं हैं, इसलिए कोई उन्हें इंडस्ट्री में डूबने से बचाने के लिए नहीं आएगा। प्रियंका ने बताया कि 2008 में एक मैगजीन ने कवर पर उनकी फोटो पर 'फिनिश्ड' लिखकर पब्लिश किया था। इसके बाद मैं और मेरी मां काफी परेशान हो गए थे। मेरी मां मुझे आकर कहती थीं कि अब तुम 30 साल की हो रही हो। मैं उस समय 26 की थी। उन्होंने कहा- ये उम्र इस इंडस्ट्री में काम करने के लिए काफी ज्यादा है। इन लोगों को काम करने के लिए सिर्फ 20 साल की लड़कियां चाहिए। अगर तुम अब भी यहां काम करना चाहती हो तो तुम्हें इस इंडस्ट्री में जीने के लिए पैसे कमाने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी, कुछ अलग करना होगा। 'मैंने अपनी मां की बात मानी और इसी वजह से मैंने प्रोडक्शन करना शुरू किया', प्रियंका बोलीं। प्रियंका ने अपनी 6 फिल्मों के फ्लॉप होने को याद करते हुए कहा- मेरी 6 फिल्में फ्लॉप हुई थीं। मैं कोई नेपो बेबी नहीं हूं इसलिए मैं डर गई थी। मेरे पास उस तरीके का सपोर्ट नहीं था जो अक्सर बड़ी बॉलीवुड फिल्में करने पर मिलता है। यहां मल्टी-जनरेशन के एक्टर्स हैं जिन्हें काम करने के भरपूर मौके मिलते हैं।

सुनील ग्रोवर को आई स्ट्रगल के दिनों की याद

सुनील ग्रोवर ने कहा- मैं उस वक्त चंडीगढ़ में था और मेरा फर्स्ट ईयर चल रहा था। मैं उन दिनों कॉलेज में ड्रामा कर रहा था। फिल्म के मेकर्स शूटिंग के लिए वहां आए हुए थे। लोकल ड्रामा सर्किल से जुड़े किसी शख्स ने उन्हें मेरे बारे में बताया कि आप उससे पूछ लो। इसके बाद मैं अनीस सर से मिलने गया और उन्होंने मुझे उस रोल के लिए फाइनल कर लिया। बातचीत के दौरान सुनील ने बताया कि उन्होंने फेमस कॉमेडियन जसपाल भट्टी से कॉमेडी से जुड़े बेसिक्स सीखे। उन्होंने कहा- मैं जसपाल भट्टी के पास एक बार ऑडिशन के लिए गया था। वहां उन्होंने मुझे एक छोटा सा रोल दिया। फिर उन्होंने मुझे कई अन्य रोल दिए। धीरे-धीरे मैंने उनके साथ शोज करना शुरू कर दिया। वहीं से मुझे कॉमेडी की समझ आई। इससे पहले मैं सिर्फ मिमिक्री और बेतरतीब करके लोगों को हंसाने की कोशिश करता था। बता दें कि जसपाल भट्टी अपने दौर के फेमस कॉमेडियन्स में से एक थे। 90 के दशक में उन्हें दूरदर्शन के फेमस शोज फुल टेंशन, फ्लॉप शो और मिनी कैप्सूल के लिए जाना जाता है।

'मैं किसी अंधे-पागल को ढूंढ रही हूं जो मुझसे शादी कर ले...'

पटौदी खानदान की एकलौती नवाबजादी सारा अली खान अपने चुलबुले अंदाज के लिए पूरे बी-टाउन में जानी जाती हैं। घूमने-फिरने के अलावा उनका फन मोमेंट सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो जाता हैं। कभी उनकी बचकानी हरकते तो कभी उनके लैम जोक्स हर एक चीज में सारा सबको खूब हसाती नजर आती हैं। हर कोई बस उनके नटखट व्यवहार की बातें करते हैं। हालांकि, इन सबके अलावा 27 साल की सारा शादी के बंधन में कब बंधेंगी, ये सवाल भी हमेशा उनके फैंस के मन में बना रहता हैं। की अपनी असल जिन्दगी में ये शहजादी किसकी रानी बनेंगी। खैर, अब इंतजार खत्म हुआ, क्योंकि सारा ने अपने वेडिंग प्लांस के बारे में चुप्पी तोड़ते हुए और साथ ही अपने लाइफ पार्टनर पर भी खुलासा किया है। हाल ही में, सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'गैसलाइट' के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस' फेम शहनाज गिल के चैट शो 'देसी वाइब्स विद शहनाज गिल' में पहुंची थी जहा उन्होंने शो की होस्ट शहनाज संग खूब मस्ती करते हुए देखा गया। इस दौरान शहनाज ने सारा अली खान के वेडिंग प्लांस के बारे में जब पूछा तो इस पर एक्ट्रेस ने बड़ा ही मजेदार जवाब दिया। शहनाज गिल ने जब बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान से पूछा कि उनका शादी का क्या प्लान है। तो इस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा, 'अभी तक तो नहीं है. ढूंढना पड़ेगा किसी अंधे पागल को, जो मुझसे शादी कर ले। उसी की खोज में हैं फिलहाल।' शहनाज ने उनसे पूछा कि अंधा पागल क्यों? इस पर सारा ने कहा, मुझे लगता है कि अंधा पागल जरूरी होगा, क्योंकि अगर दिमाग होगा और जान लेगा, पहचान लेगा मुझे तो भाग नहीं जाएगा।